dimentions etc. in respect of Flange (Bronze) Part Nos. 585-35-443 has come to its notice and that such instance are dealt with under normal conditions of guarantee/warranty. No graft is involved in the purchase.

Post of Chief of Logistics in the Indian Navy

15. SHRI K.M. SAIFULLAH:
SHRIMATI JAYAPRADA NAHATA:

Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a)whether the post of Chief of Logistics Department in the Indian Navy has been lying vacant;

(b)if so, the reasons therefor; and

(c)the steps proposed to fill early the top Navy post lying vacant for so long?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI GEORGE FERNANDES): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) The Promotion Board of the Navy has recommended selection of a Rear Admiral for promotion to the rank of Vice Admiral so as to fill up the vacancy. The recommendations of the Board are under consideration of the Government.

मणिपुर में कैंटोनमेंट बोर्ड में अनुसूचित जातियो/ अनुसूचित जनजातियों और महिलाओं का प्रतिनिधित्व

16. **श्री दिलीय सिंह जूदेव** : क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) मणिपुर में आज की तारीख में कार्यरत, केंटोनमेंट जोड़ोम की संख्या कितनी है;

(ख) इनमें बोर्ड –वार अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियोम और महिलाओम के प्रतिनिधियोम की संख्या कितनी-कितनी है;

(ग) क्या सरकार इन क्षेत्रो में महिलाओं, अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के प्रतिनिधियों के लिए सीटें आरक्षित करने का विचार रखती है; और

(घ) यदि नहीं, तो उसकेक्या कारण है?

रक्षा मंत्री (श्री जार्ज फर्नान्डीज) : (क) से (घ) मणिपुर में ना तो कोई छावनी है और न ही कोई छावनी बोर्ड है।

भारत के लिए चीन सबसे बड़ा खतरा

17. **श्री ईश दत्त यादव** : क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का ध्यान हिन्दी समाचार-पर "राष्ट्रीय सहारा" दिनांक 4.5.1998 के मुख्य पृष्ठ पर "भारत के लिए चीन सबसे बड़ा खतरा" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो इस पर सरकार की प्रतिक्रिया क्या है; और

(ग) भारत-चीन संबंध पर सरकार का दृष्टिकोण क्या है?

रक्षा मंत्री (श्री जॉर्ज फर्नान्डीज) : (क) जी, हां।

(ख) और (ग़) एक विवरण संलग्न है।

विवरण

चीन हमारा सबसे बड़ा पड़ोसी है। चीन के पास परमाणु शस्त्र है और उसके पास विश्व की सबसे बड़ी सेना है। हाल के वर्षों में चीन ने राष्ट्रीय उद्देश्य के रुप में आर्थिक उन्नति और विकास के साथ-साथ अपनी सशस्त्र सेनाओं और अपनी परमाणु शस्त्र क्षमता का आधुनिकीकरण किया है। चीन ने "सक्रिय रक्षा" "उपाय प्रौद्योगिकीय स्थितियों में सीमित युद्ध" के सिद्धांतो और अपनी परिधि में केन्द्रित करके "दुत प्रतिक्रिया बोधी यूनिटें" बनाने पर जोर दिया है। सैंन्य आधुनिकीकरण कार्यक्रमों के साथ जुड़कर चीन के सामरिक सौभांत क्षेत्रों की पुनर्परिभाषा से समुद्र, आकाश और थल पर चीन की सशस्त्र सेनाओं की बल प्रस्तुतिकरण क्षमताओं में दुत गति से परिवर्तन हो रहा है। हाल के वर्षों में, चीन, भारत-चीन सीमा क्षेत्र में संभारिकी तथा अवसंरचनात्मक सुविधाओं को उन्नत बनाने में भी लगा हुआ है।

भारत की रक्षा नीति के संबंध में इस परमाणु हथियार और प्रक्षेपास्त क्षमता सहित हमारे जटिल सुरक्षा परिवेश को ध्यान में रखना चाहिए। चीन पाकिस्तान को उसके परमाणु शस्त्र कार्यक्रम और प्रेक्षेपास्तो के विकास में भी सहायता कर रहा है।

चीन और म्यांमर के बीच रक्षा संबंध भी भारत की सुरक्षा पर प्रभाव डालने वाले है। म्यांमार ने बंगाल की खाड़ी में अपने कुछ द्वीपसमूहों में रेडार और संचार उपकरण लगाए है। वे चीनी सहायता से उपकरण तथा